सैन्य सूचना सामान्य सुरक्षा समझौता (GSOMIA)

प्रीलिम्सि के लयि:

सैन्य सूचना सामान्य सुरक्षा समझौता (GSOMIA)

मेन्स के लयि:

GSOMIA संधि तथा जापान-दक्षणि कोरयिा संबंध

चर्चा में क्यों?

22 नवंबर, 2019 को दक्षणि कोरयिा ने अमेरिका के दबाव के बीच जापान के साथ एक खुफयिा साझाकरण समझौते (Intelligence Sharing Pact) से बाहर नकिलने की अपनी योजना को स्थगति करने का फैसला कयिा।

- इससे पहले, दक्षणि कोरयिा ने 22 नवंबर, 2019 तक **सैन्य सूचना सामान्य सुरक्षा समझौता (General Security of Military Information Agreement- GSOMIA)** नामक खुफयिा समझौते को समाप्त करने का फैसला कयिा था, इसकी शर्त थी कि यदि जापान नरि्यात नयिंत्रण उपायों की समीक्षा करने का फैसला नहीं करता तो यह समझौते से बाहर हो जाएगा।

GSOMIA संधि

- जापान और दक्षणि कोरयिा के बीच खुफयिा सूचनाओं के आदान-प्रदान का वचिार पहली बार 1980 के दशक में आया था।
- वर्ष 2012 में दोनों देशों द्वारा GSOMIA पर हस्ताक्षर कयि जाने की उम्मीद थी, लेकनि दक्षणि कोरयिा के लोगों में इस समझौते को लेकर आक्रोश होने के कारण इस पर आगे कोई कार्यवाही नहीं हुई।
- उत्तर कोरयिा के बढ़ते खतरे (परमाणु परीक्षण करना और बैलस्टिकि मसिाइलों का वकिास) के बीच GSOMIA को अपनाने की आवश्यकता को महसूस कयिा गया।
- अंततः नवंबर 2016 को इस समझौते पर हस्ताक्षर कयि गए।
- इस समझौते में अमेरिका के हति उत्तर कोरयिा से उत्पन्न होने वाले कसिी भी प्रकार के खतरे का वशि्लेषण करने और उसका जवाब देने के लयि उत्तर पूर्व में एक सशक्त गठबंधन बनाने की आवश्यकता से उपजा है।
- हालाँकि इस संदर्भ में चीन को इस बात का संदेह अवश्य हो सकता है कि GSOMIA, बीजगि को शामलि करने के लयि अमेरिकी-जापानी-दक्षणि कोरयिाई त्रपिक्षीय गठबंधन का एक प्रयास है, जसिसे इस त्रपिक्षीय गठबंधन और चीन-उत्तर कोरयिा-रूस के बीच वरिोध बना रहे।

जापानी और दक्षणि कोरयिाई संबंध

- कोरयिा, जापान का एक पूर्व उपनविेश है, जापान ने वर्ष 1910-1945 (35 वर्षों) तक कोरयिा पर शासन कयिा।
- कोरयिाई लोगों के मन में नहिति "जापान वरिोधी" भावना के पीछे आज भी कहीं न कहीं जापानी शासन है।
- वर्ष 1948 में उत्तर और दक्षणि कोरयिा के वभिाजन के बाद, जापान और दक्षणि कोरयिा के बीच बुनयिादी संबंधों पर एक संधि (Treaty on Basic Relations) पर हस्ताक्षर के साथ, वर्ष 1965 में औपचारकि राजनयकि संबंध स्थापति हुए।
- दक्षणि कोरयिा और जापान दोनों ही अमेरिका के सहयोगी हैं, लेकनि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आई है। दोनों देशों के मध्य डोकडो द्वीप (Dokdo Islands) को लेकर ववािद बना हुआ है, जसिे जापान में ताकेशमिा (Takeshima) के रूप में जाना जाता है। जहाँ एक ओर इन द्वीपों पर दक्षणि कोरयिा का नयिंत्रण है, वहीं जापान इन द्वीपों पर स्वामतिव का दावा करता है।
- इसके अलावा दोनों देशों के लोगों के मन में जापानी शासन में कोरयिाई लोगों के कयि गए व्यवहार के संबंध में अलग-अलग वचिार हैं, वशिेषकर जबरन मज़दूरी और "सेवकिा" या "यौन दासयिों/सेक्स स्लेव्स" के वषिय में।

- जापानी शासन में कोरिया पर किये गए अत्याचार के विषय में जापान का कहना है कि वर्ष 1965 की संधि के साथ ही उसने दक्षिण कोरिया के क्षतिपूर्ति के दावों का निपटारा कर दिया था।

वर्तमान संदर्भ में

- यदि वर्तमान संदर्भ में बात करें तो जुलाई 2019 में जापान ने तीन रासायनिक पदार्थों पर निर्यात नियंत्रण लगा दिया जिनका इस्तेमाल दक्षिण कोरिया अपने महत्त्वपूर्ण अर्धचालक उद्योग में करता है। इतना ही नहीं हाल ही में अगस्त 2019 में भी जापान ने दक्षिण कोरिया को अपनी **व्हाइट लिस्ट"** (विश्वसनीय भागीदारों की फास्ट ट्रैक व्यापार सूची) से हटाने का फैसला किया है।
- जापान के इस फैसले को दक्षिण कोरिया के ही एक निर्णय का प्रतिउत्तर माना जा रहा है, कुछ समय पहले दक्षिण कोरिया ने खुफिया संधि GSOMIA से बाहर निकलने का फैसला किया था।

हालाँकि एक ऐसे समय में जब उत्तर कोरिया स्वयं को सभी मोर्चों पर सशक्त कर रहा है ऐसे में दक्षिण कोरिया का इस संधि से बाहर जाना वास्तव में एक अनावश्यक कदम होगा। वर्तमान स्थिति में टोक्यो और सियोल को अपने संबंधों को खराब करने की बजाय इन्हें सुदृढ़ करने पर ध्यान देना चाहिये।

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/general-security-of-military-information-agreement